राजस्थान पत्रिका
झुंझुनूं पत्रिका

गर्भाशय कैंसर का अब देशी तकनीक से आसानी से चलेगा पता

पिलानी के सीरी ने तैयार किया पहला स्वदेशी सर्वाइकल कैंसर डिवाइस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpetrika.com

पिलानी. गर्भाशय कैंसर का पता लगाने के लिए सीरी संस्थान पिलानी ने देश का पहला स्वदेशी डिवाइस तैयार किया है। आईओटी सक्षम स्मार्टफोन आधारित हैंडहेल्ड कोल्पोस्कोप तैयार होने से अब महंगे विदेशी डिवाइस पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। मेक इन इंडिया मेडिकल मिशन' परियोजना के तहत विकसित यह स्वदेश सिस्टम (डिवाइज) सस्ती व सर्वाइकल कैंसर का सटीक पता लगा सकेगी।

तकनीक डिवाइन मेडिटेक को हस्तांतरित

समझौते के तहत संस्थान में एक कार्यक्रम में यह तकनीक मेसर्स डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड नोएडा को हस्तांतरित कर दिया गया है। संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने बताया कि सीरी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम ने सर्वाइकल कैंसर जांच के लिए आईओटी सक्षम स्मार्टफोन आधारित हैंडहेल्ड कोल्पोस्कोप विकसित किया है। समझौता ज्ञापन पर संस्थान की ओर से प्रमोद तंवर प्रधान पीएमईथीडी तथा डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजीव शर्मा निदेशक ने हस्ताक्षर किए।

क्या है कॉल्पोस्कोपी और कॉल्पोस्कोप

कॉल्पोस्कोपी एक चिकित्सा प्रक्रिया है। जो गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) की स्थिति का पता लगाने और गर्भाशय ग्रीवा अर्थात सर्विक्स कैंसर का निदान करने के लिए किया जाता है। कॉल्पोस्कोप वह उपकरण है जो स्त्री रोग विशेषज्ञ को कॉल्पोस्कोपी प्रक्रिया के माध्यम से उपचार करने की सुविधा प्रदान करता है।

इस तकनीक में भारत बनेगा आत्मनिर्भर

हमारे देश में हर साल विभिन्न पश्चिमी देशों से बड़ी संख्या में कॉल्पोस्कोप उपकरणों का आयात किया जाता है।

जो 70 हजार से 150 लाख की कीमत के होते हैं। यह स्वदेशी डिवाइस सीरी में करीब 30 हजार रुपए में तैयार किया गया है। इस डिवाइस में इमेज बारीकी से आएगी, जिससे आसानी से सर्वाइकल कैंसर का पता चल सकेगा।

प्रणाली की अत्याधुनिक विशेषताएं

संस्थान द्वारा विकसित कोल्पोस्कोप प्रणाली में अत्याधुनिक विशेषताएं हैं। जैसे त्वरित डेटा विजुलाइजेशन और विश्लेषण के लिए स्मार्टफोन आधारित ऐप से कनेक्टिविटी, रोगियों और डॉक्टरों के बीच सीधे संचार अथवा सम्पर्क के लिए क्लाउड कनेक्टिविटी, सर्वाइकल कैंसर का समय से पूर्व पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित प्रक्रिया, ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जाने वाले शिविरों में प्रणाली के अनवरत एवं निर्बाध संचालन के लिए ऑन-डिवाइस रिचार्जेबल बैटरी सपोर्ट के अलावा इसकी कीमत भी कम होगी।

इस प्रणाली को गहन परीक्षण के उद्देश्य के लिए विभिन्न अस्पतालों में तैनात किया गया है। इसके बाद बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए और भारतीय बाजार में इस तकनीक को लॉन्च करने के लिए इसे मैसर्स डिवाइन मेडिटेक नोएडा को हस्तांतरित किया गया है। डिवाइन मेडिटेक के निदेशक राजीव शर्मा के अनुसार कंपनी अगले 3 से 6 महीनों में स्वदेशी मेक इन इंडिया तकनीक को बाजार में लाएगी।